चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 21.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....6.7.....

पराली व फूड वेस्ट से बनाएंगे बॉयो गैस और बिजली

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में बन रहे देश के पहले मैकेनाइज्ड बॉयो गैस प्लांट का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इस प्लांट के शुरू होने से पराली, फूड वेस्ट, गोबर एवं घरेलू कचरे आदि का प्रयोग कर बिजली के साथ बॉयो गैस और जैविक खाद तैयार की जा सकेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन अगले सप्ताह तक इस प्लांट को प्रारंभिक तौर पर शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इसको लेकर पहले ही ट्रायल किया जा चुका है। मौजूदा समय में एचएयू अपने संसाधनों से प्रोडक्शन करेगा, इसके बाद शहर से भी कचरे को खरीदा जाएगा। इस प्लांट को बनाने का काम आस्ट्रिया की कंपनी कर रही थी। इस कार्य को पूरा करने में करीब छह करोड़ रुपये की लागत आई है।

कचरा निस्तारण की समस्या होगी हल : एचएयू के इस कदम से कैंपस में रोजाना जनरेट होने वाले कचरे के निस्तारण में मदद मिलेगी। इसके अलावा इसमें कृषि अवशेषों का प्रयोग होने से किसान इन्हें जलाने से भी परहेज करेंगे। भविष्य में एचएयू शहर का कचरा और किसानों की पराली भी लेगा। यही नहीं आगे चलकर शहरवासियों को एचएयू फीलिंग स्टेशन के माध्यम से सीएनजी मुहैया करवाई जाएगी।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मैकेनाइज्ड बॉयो गैस प्लांट का काम पूरा, अगले सप्ताह शुरू करने की तैयारी, जैविक खाद भी बनेगी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मैनेजमेंट बायो वेस्ट प्लांट। ● जागरण

प्लांट की विशेषताएं

- प्लांट क्षमता- 100 किलोवाट
- फीड इनपुट - 10 टन प्रतिदिन
- सब्स्ट्रेस - गोबर, फूड वेस्ट, फसल अवशेष (पराली), रसोई का कचरा
- बायोगैस उत्पादन- 2 लाख घन मीटर
- कुल ऊर्जा उत्पादन - 2.236 मेगा वाट आवर प्रति वर्ष
- कुल विद्युत उत्पादन- 800 मेगावाट आवर प्रति वर्ष
- थर्मल क्षमता- 128 किलोवाट
- कुल ताप उत्पादन- 992 मेगा वाट आवर प्रति वर्ष
- अनुकूलित जैविक खाद- 5 टन प्रतिदिन

बॉयोगैस प्लांट का काम पूरा हो चुका है। अगले सप्ताह में हम इस प्लांट को शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। आधिकारिक रूप से उद्घाटन के साथ ही प्लांट से प्रोडक्शन शुरू किया जाएगा।

प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 21.10.22.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....3-4.....

परम्परागत खेती के साथ मशरूम व्यवसाय भी अपनाएं किसान : डा. सुरेंद्र

एच.ए.यू. में 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

हिसार, 20 अक्तूबर (ब्यूरो): किसान परंपरागत खेती के साथ-साथ मशरूम को व्यवसाय के रूप में अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं।

बेरोजगार युवक प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक तकनीक सीखकर इसे आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक (बागवानी) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने व्यक्त किए।

वे 'मशरूम उत्पादन की तकनीक' विषय पर आयोजित 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन में व संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा की देखरेख में किया जा रहा है।

संयोजक डॉ. पवित्रा कुमारी ने प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम में मौजूद पोषक तत्वों व उनकी औषधीय महत्ता के बारे में जानकारी दी।

प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान संबोधित करते वक्ता।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 21.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....2.....

आमदनी के लिए मशरूम की खेती करें किसान : डॉ. सुरेंद्र

हिसार| किसान परंपरागत खेती के साथ मशरूम को व्यवसाय के रूप में अपनाकर अधिक लाभ कमा सकते हैं। बेरोजगार युवक प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक तकनीक सीखकर इसे आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक(बागवानी) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने व्यक्त किए। वे 'मशरूम उत्पादन की तकनीक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**21.10.2020**	——	--

परम्परागत खेती के साथ मशरूम व्यवसाय भी अपनाएं किसान : डॉ. सुरेंद्र

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। किसान परंपरागत खेती के साथ-साथ मशरूम को व्यवसाय के रूप में अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं। बेरोजगार युवक प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक तकनीक सीखकर इसे आगे बढ़ा सकते हैं।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक(बागवानी) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने व्यक्त किए। वे 'मशरूम उत्पादन की तकनीक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन में व संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा की देखरेख में किया जा रहा है। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी हासिल कर अपना खुद का व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं और अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मशरूम को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। इस व्यवसाय को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर बड़े स्तर तक बढ़ा सकते है। उन्होंने संस्थान द्वारा बेरोजगार युवाओं के लिए चलने वाले विभिन्न कौशल कार्यक्रमों की भी विस्तार से जानकारी दी।

एचएयू में मशरूम उत्पादन की तकनीकों को लेकर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

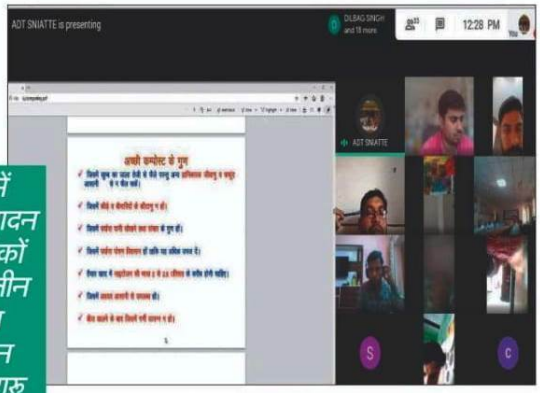

प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान संबोधित करते वक्ता।

मशरूम की बताई औषधीय महत्ता

इस ऑनलाइन प्रशिक्षण की संयोजक डॉ. पवित्रा कुमारी ने प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम में मौजूद पोषक तत्वों व उनकी औषधीय महत्ता के बारे में जानकारी दी। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. रमेश चुघ ने मशरूम की मार्केटिंग पर जोर दिया और खुम्ब में होने वाली बिमारियों व कीड़े-मकोड़ों के बारे में भी बताया। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. निर्मल कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 35 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	**21.10.2020**	——	--

परम्परागत खेती के साथ मशरुम व्यवसाय भी अपनाएं किसान : डॉ. सुरेंद्र

■ एचएयू में मशरुम उत्पादन की तकनीकों को लेकर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरु

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। किसान परंपरागत खेती के साथ-साथ मशरुम को व्यवसाय के रुप में अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं। बेरोजगार युवक प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक तकनीक सीखकर इसे आगे बढ़ा सकते हैं। ए विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक (बागवानी) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने व्यक्त किए। वे 'मशरुम उत्पादन की तकनीक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थिएं को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन में व संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा की देखरेख में किया जा रहा है। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे मशरुम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी हासिल कर अपना खुद का व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं और अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मशरुम को सहयोगी व्यवसाय के रुप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। इस व्यवसाय को किसान थोड़े से पैसे से शुरु कर बड़े स्तर तक बढ़ा सकते है। उन्होंने संस्थान द्वारा बेरोजगार युवाओं के लिए चलने वाले विभिन्न कौशल कार्यक्रमों की भी विस्तार से जानकारी दी।

मशरुम की बताई औषधीय महत्ता

इस ऑनलाइन प्रशिक्षण की संयोजक डॉ. पवित्रा कुमारी ने प्रशिक्षणार्थियों को मशरुम में मौजूद पोषक तत्वों व उनकी औषधीय महत्ता के बारे में जानकारी दी। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. रमेश चुघ ने मशरुम की मार्केटिंग पर जोर दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार न्यूज	**21.10.2020**	——	--

परम्परागत खेती के साथ मशरूम व्यवसाय भी अपनाएं किसान : डॉ. सुरेंद्र

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : किसान परंपरागत खेती के साथ-साथ मशरूम को व्यवसाय के रूप में अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं। बेरोजगार युवक प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक तकनीक सीखकर इसे आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक(बागवानी) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने व्यक्त किए। वे 'मशरूम उत्पादन की तकनीक'

मशरूम उत्पादन की तकनीकों को लेकर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन में व संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा की देखरेख में किया जा रहा है। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी हासिल कर अपना खुद का व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं और अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मशरूम को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। इस व्यवसाय को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर बड़े स्तर तक बढ़ा सकते है। उन्होंने संस्थान द्वारा बेरोजगार युवाओं के लिए चलने वाले विभिन्न कौशल कार्यक्रमों की भी विस्तार से जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**20.10.2020**	——	--

खेती के साथ मशरूम व्यवसाय भी अपनाएं किसान : डॉ. सुरेंद्र

हिसार | किसान परंपरागत खेती के साथ-साथ मशरूम को व्यवसाय के रूप में अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं। बेरोजगार युवक प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक तकनीक सीखकर इसे आगे बढ़ा सकते हैं।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक(बागवानी) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने व्यक्त किए। वे 'मशरूम उत्पादन की तकनीक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन में व संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा की देखरेख में किया जा रहा है। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी हासिल कर अपना खुद का व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं और अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मशरूम को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। इस व्यवसाय को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर बड़े स्तर तक बढ़ा सकते है। उन्होंने संस्थान द्वारा बेरोजगार युवाओं के लिए चलने वाले विभिन्न कौशल कार्यक्रमों की भी विस्तार से जानकारी दी।

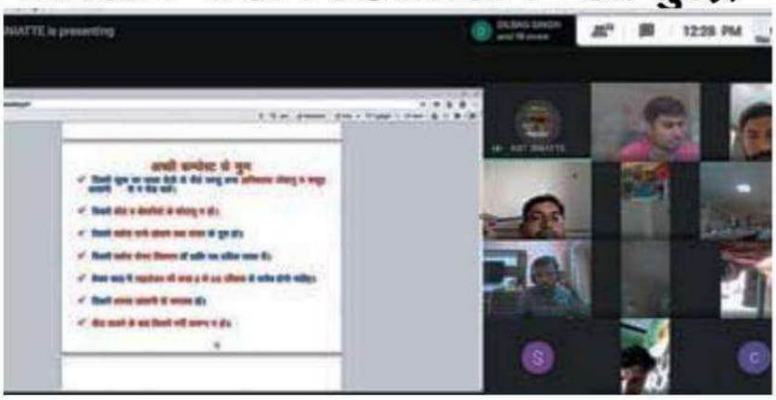

प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान संबोधित करते वक्ता।

मशरूम की बताई औषधीय महत्ता : इस ऑनलाइन प्रशिक्षण की संयोजक डॉ. पवित्रा कुमारी ने प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम में मौजूद पोषक तत्वों व उनकी औषधीय महत्ता के बारे में जानकारी दी। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. रमेश चुघ ने मशरूम की मार्केटिंग पर जोर दिया और खुम्ब में होने वाली बिमारियों व कीड़े-मकोड़ों के बारे में भी बताया। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. निर्मल कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 35 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**20.10.2020**	——	--

एचएयू में मशरूम उत्पादन की तकनीकों को लेकर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। किसान परंपरागत खेती के साथ-साथ मशरूम को व्यवसाय के रूप में अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं। बेरोजगार युवक प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक तकनीक सीखकर इसे आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक(बागवानी) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने व्यक्त किए। वे 'मशरूम उत्पादन की तकनीक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी हासिल कर अपना खुद का व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं और अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मशरूम को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। इस व्यवसाय को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर बड़े स्तर तक बढ़ा सकते है। उन्होंने संस्थान द्वारा बेरोजगार युवाओं के लिए चलने वाले विभिन्न कौशल कार्यक्रमों की भी विस्तार से जानकारी दी।

प्रशिक्षण की संयोजक डॉ. पवित्रा कुमारी ने प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम में मौजूद पोषक तत्वों व उनकी औषधीय महत्ता के बारे में जानकारी दी। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. रमेश चुघ ने मशरूम की मार्केटिंग पर जोर दिया और खुम्ब में होने वाली बिमारियों व कीड़े-मकोड़ों के बारे में भी बताया। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. निर्मल कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 35 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**20.10.2020**	——	--

परम्परागत खेती के साथ मशरूम व्यवसाय भी अपनाएं किसान

एचएयू में मशरूम उत्पादन की तकनीकों को लेकर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

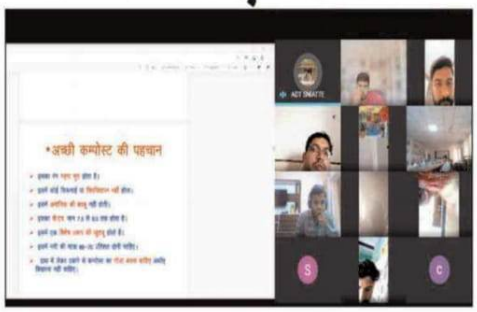

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। किसान परंपरागत खेती के साथ-साथ मशरूम को व्यवसाय के रूप में अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं। बेरोजगार युवक प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक तकनीक सीखकर इसे आगे बढ़ा सकते हैं।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक(बागवानी) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने व्यक्त किए। वे 'मशरूम उत्पादन की तकनीक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन में व संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा की देखरेख में किया जा रहा है। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी हासिल कर अपना खुद का व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं और अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मशरूम को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। इस व्यवसाय को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर बड़े स्तर तक बढ़ा सकते है। उन्होंने संस्थान द्वारा बेरोजगार युवाओं के लिए चलने वाले विभिन्न कौशल कार्यक्रमों की भी विस्तार से जानकारी दी।

मशरूम की बताई औषधीय महत्ता

इस ऑनलाइन प्रशिक्षण की संयोजक डॉ. पवित्रा कुमारी ने प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम में मौजूद पोषक तत्वों व उनकी औषधीय महत्ता के बारे में जानकारी दी। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. रमेश चुघ ने मशरूम की मार्केटिंग पर जोर दिया और खुम्ब में होने वाली बिमारियों व कीड़े-मकोड़ों के बारे में भी बताया। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. निर्मल कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 35 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**20.10.2020**	——	--

परम्परागत खेती के साथ मशरूम व्यवसाय भी अपनाएं किसान : डॉ. सुरेंद्र

एचएयू में मशरूम उत्पादन की तकनीकों को लेकर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

हिसार। किसान परंपरागत खेती के साथ-साथ मशरूम को व्यवसाय के रूप में अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं। बेरोजगार युवक प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक तकनीक सीखकर इसे आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक(बागवानी) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने व्यक्त किए। वे 'मशरूम उत्पादन की तकनीक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन में व संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा की देखरेख में किया जा रहा है।

डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी हासिल कर अपना खुद का व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं और अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मशरूम को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। इस व्यवसाय को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर बड़े स्तर तक बढ़ा सकते है। उन्होंने संस्थान द्वारा बेरोजगार युवाओं के लिए चलने वाले विभिन्न कौशल कार्यक्रमों की भी विस्तार से जानकारी दी।

मशरूम की बताई औषधीय महत्ता

इस ऑनलाइन प्रशिक्षण की संयोजक डॉ. पवित्रा कुमारी ने प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम में मौजूद पोषक तत्वों व उनकी औषधीय महत्ता के बारे में जानकारी दी। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. रमेश चुघ ने मशरूम की मार्केटिंग पर जोर दिया और खुम्ब में होने वाली बिमारियों व कीड़े-मकोड़ों के बारे में भी बताया। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. निर्मल कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 35 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाइम्स	**20.10.2020**	——	--

परम्परागत खेती के साथ मशरूम व्यवसाय भी अपनाएं किसान : डॉ. सुरेंद्र

हिसार : किसान परंपरागत खेती के साथ-साथ मशरूम को व्यवसाय के रूप में अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं। बेरोजगार युवक प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक तकनीक सीखकर इसे आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक(बागवानी) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने व्यक्त किए। वे 'मशरूम उत्पादन की तकनीक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन में व संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा की देखरेख में किया जा रहा है। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी हासिल कर अपना खुद का व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं और अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मशरूम को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। इस व्यवसाय को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर बड़े स्तर तक बढ़ा सकते है। उन्होंने संस्थान द्वारा बेरोजगार युवाओं के लिए चलने वाले विभिन्न कौशल कार्यक्रमों की भी विस्तार से जानकारी दी।

एचएयू में मशरूम उत्पादन की तकनीकों को लेकर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

मशरूम की बताई औषधीय महत्ता

इस ऑनलाइन प्रशिक्षण की संयोजक डॉ. पवित्रा कुमारी ने प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम में मौजूद पोषक तत्वों व उनकी औषधीय महत्ता के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**20.10.2020**	——	--

मशरूम को व्यवसाय बना अधिक से अधिक लाभ कमाएं : डॉ. सिंह

हिसार/20 अक्टूबर/रिपोर्टर

किसान परंपरागत खेती के साथ-साथ मशरूम को व्यवसाय के रूप में अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं। बेरोजगार युवक प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक तकनीक सीखकर इसे आगे बढ़ा सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक (बागवानी) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने व्यक्त किए। वे 'मशरूम उत्पादन की तकनीक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा के मार्गदर्शन में व संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा की देखरेख में किया जा रहा है। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी हासिल कर अपना खुद का व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं और अधिक मुनाफा हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मशरूम को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। इस व्यवसाय को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर बड़े स्तर तक बढ़ा सकते है। उन्होंने संस्थान द्वारा बेरोजगार युवाओं के लिए चलने वाले विभिन्न कौशल कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। ऑनलाइन प्रशिक्षण की संयोजक डॉ. पवित्रा कुमारी ने प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम में मौजूद पोषक तत्वों व उनकी औषधीय महत्ता के बारे में जानकारी दी। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. रमेश चुघ ने मशरूम की मार्केटिंग पर जोर दिया और खुम्ब में होने वाली बिमारियों व कीड़े-मकोड़ों के बारे में भी बताया। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. निर्मल कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 35 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	**20.10.2020**	ऑनलाइन	--

जीवन आधार

एचएयू में मशरूम उत्पादन की तकनीकों को लेकर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

हिसार,

किसान परंपरागत खेती के साथ-साथ मशरूम को व्यवसाय के रूप में अपनाकर अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं। बेरोजगार युवक प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक तकनीक सीखकर इसे आगे बढ़ा सकते हैं।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक(बागवानी) डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कही। वे 'मशरूम उत्पादन की तकनीक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा के मार्गदर्शन में व संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा की देखरेख में किया जा रहा है। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने